खबर संक्षेप

उप थाना अंजनिया थाना बम्हनी जिला मण्डला की कार्यवाही

अंजनिया। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा मण्डला, ने चोरी करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया हुआ है इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति नेहा पच्चीसिया पुलिस नैनपुर द्वारा अवैध कार्य चोरी करने वालों पर त्वरित कार्यवाही करने के कठोर निर्देश दिये गये थे तथा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप पांण्डेय के मार्गदर्शन में दिनाँक 13.12.2024 को प्रार्थी नेमचंद भाँवरे पिता महाबीर निवासी ग्राम अहमदपुर ने चौकी आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके खेत में लगी एक एच.पी.की मोटर पम्प अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया है कि रिपोर्ट पर से अपराध पंजी किया जाकर विवेचना में लिया गया विवेचना दौरान मुखबीर के माध्यम से आरोपी की जानकारी ग्राम डुडका में मिलने पर टीम ग्राम डुडका रवाना किया जाकर आरोपी सूरज पूषाम पिता भगत सिंह पूषाम उम्र 27 वर्ष निवासी डुडका को गिरफ्तार किया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे माननीय न्यायालय द्वारा जेल वारण्ट बनने से आरोपी को जेल में दाखिल किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी अंजनियां उनि. लाखन सिंह राजपूत, सउनि. राजेश सराठे, प्र.आर.उत्तम पटैल, आर.दिनेश पगरवार, आर.कीर्ति कुमार, आर.विनोद तेकाम, आर. अनिल भलावी की विशेष भूमिका रही।

अतिशेष शिक्षकों क्यों नहीं किया जा रहा शिक्षक विहीन शालाओं में पदस्थ

तीन बच्चों को पढ़ा रहे तीन शिक्षक

*** जिले की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक अनियमितताएँ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की हालत चिंताजनक बनी हुई है। जहां एक ओर सरकार शिक्षा के स्तर को सुधारने और हर बच्चे को बेहतर शिक्षा देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जिले में कुछ स्कूलों में शिक्षकों की अनुपलब्धता और अतिशेष शिक्षकों की तैनाती से सरकारी धन की बर्बादी हो रही है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक असमर्थता को उजागर करती है, बल्कि राजनीतिक दबावों के चलते शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाती है।

अतिशेष शिक्षकों की तैनाती और कम बच्चों वाले स्कूलों की स्थिति

जिले के प्राथमिक स्कूलों में कुछ स्कूलों में तो शिक्षा कार्य केवल नाम के लिए चल रहा है। उदाहरण के तौर पर, संजयनगर बिंझिया प्राथमिक स्कूल में 03 बच्चे अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन वहाँ 03 शिक्षकों की तैनाती की गई है। इसी तरह, बर्रा टोला देवदरा प्राथमिक स्कूल में 10 बच्चे हैं और यहाँ 02 शिक्षक पदस्थ हैं। यह स्थिति उन स्कूलों की है, जिनमें बच्चे की संख्या बहुत कम है, फिर भी विभाग ने अतिरिक्त शिक्षकों की तैनाती कर रखी है। सवाल उठता है कि जब बच्चे ही कम हैं तो इन शिक्षकों की आवश्यकता क्यों है? क्या यह सरकारी धन की बर्बादी नहीं है? और यदि यह स्थिति कई सालों से चल रही है, तो प्रशासन क्यों इस मामले में ठोस कदम नहीं उठा रहा?

शासन की राशि का फिजूल खर्च और विभागीय ढुलमुल रवैया

ऐसे स्कूलों के बारे में मीडिया में कई बार खबरें प्रकाशित की गईं, ताकि प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाए। लेकिन हर बार अधिकारियों द्वारा केवल खानापूरी की कार्रवाई की जाती है, और फिर वही स्थिति बनी रहती है। यह स्थिति इसलिए भी चिंता का विषय बन गई है क्योंकि हर महीने शासन को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। विभागीय अधिकारी इस पर एक्शन लेने में नाकाम हैं और उनकी यह ढुलमुल रवैया शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है।

शिक्षकों का अनधिकृत स्थानांतरण और सरकारी स्कूलों की स्थिति

सूत्रों की जानकारी अनुसार जिले के अन्य स्कूलों की स्थिति भी अधिक अलग नहीं है। जैसे कि वरिष्ठ मूल शाला में 61 बच्चे हैं और यहाँ 06 शिक्षकों की तैनाती की गई है, जिनमें से 02 शिक्षक नगर के ही अन्य स्कूलों में संलग्न गए हैं। नर्मदा गंज प्राथमिक स्कूल में 12 बच्चे हैं, और यहाँ 04 शिक्षक तैनात हैं। इसी तरह, उदय चौक प्राथमिक स्कूल में 16 बच्चे हैं और यहाँ 02 शिक्षक तैनात हैं, जिनमें से एक शिक्षक को बीआरसी कार्यालय में कुछ दिनों के लिए संलग्न कर लिया गया है। ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कैसे स्कूलों में बच्चों की संख्या के हिसाब से शिक्षकों की तैनाती नहीं हो रही है और शिक्षकों का गैर-शिक्षकीय कार्यों में भी प्रयोग हो रहा है।

राजनीतिक दबाव और अधिकारियों की मिलीभगत जब विभागीय अधिकारियों से इन मुद्दों पर सवाल पूछा जाता है, तो वे चुपचाप यह स्वीकार करते हैं कि राजनीतिक दबाव के कारण वे कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक है। जब राजनीति के दबाव में अधिकारियों द्वारा कार्यवाही टाल दी जाती है, तो इसका सीधा असर बच्चों के भविष्य पर पड़ता है। शिक्षकों की तैनाती और स्कूलों की बंदी से संबंधित निर्णयों में राजनीतिक नेताओं की भूमिका क्या है? क्या वे इस तरह के मुद्दों को अपने स्वार्थ के लिए दबाए रखते हैं? यह सवाल अब भी अनुत्तरित है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता

यह पूरी स्थिति यह दर्शाती है कि जिले की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। विभागीय अधिकारी और राजनीतिक नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, लेकिन किसी भी स्तर पर सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। यह स्थिति बच्चों के भविष्य के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रही है। यदि इसी तरह की अनियमितताएँ जारी रहीं, तो आने वाले समय में बच्चों को मिलने वाली शिक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। शिक्षा का अधिकार और गुणवत्ता केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हर बच्चे तक पहुँचनी चाहिए।

मण्डला जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। प्रशासन और शिक्षा विभाग को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और उन स्कूलों में जहां बच्चे कम हैं, शिक्षकों की तैनाती का पुनरावलोकन करना चाहिए। साथ ही, राजनीति से दूर रहकर बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह स्थिति और भी खराब हो सकती है, जिससे जिले के बच्चों का भविष्य अंधेरे में जा सकता है।

श्री दत्तात्रेय जन्मोत्सव पर भक्तिभाव से भंडारे का आयोजन

*** 122 वर्षों से जारी है परंपरा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला के नानाघाट स्थित श्री दत्तात्रेय मंदिर में हर वर्ष की तरह इस बार भी 14 दिसंबर 2024 को श्री दत्तात्रेय जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महाराष्ट्र समाज द्वारा आयोजित इस पर्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर प्रांगण में विशेष पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया गया, जहां भक्तों ने भगवान दत्तात्रेय की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

भंडारे का आयोजन

आज, 15 दिसंबर 2024 को, समस्त गोलवलकर परिवार के द्वारा मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में महाराष्ट्र समाज के सभी सदस्य तथा अन्य श्रद्धालु उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। भक्तों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन के दौरान भक्तिभाव और सामूहिकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

श्री दत्तात्रेय जन्मोत्सव की परंपरा पिछले 122 वर्षों से लगातार जारी है। यह पर्व महाराष्ट्र समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। समाज के सभी सदस्य पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ इस आयोजन में अपनी भागीदारी निभाते हैं।

श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या देखी गई। लोगों ने सुबह से ही मंदिर में आकर भगवान दत्तात्रेय के दर्शन किए। भंडारे के दौरान भक्तों ने आपसी सौहार्द और धार्मिक आस्था का परिचय दिया।

आयोजन समिति की सराहना

आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों और महाराष्ट्र समाज ने अहम भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। श्रद्धालुओं ने आयोजन की भव्यता और धार्मिक वातावरण की सराहना की।

श्री दत्तात्रेय जन्मोत्सव न केवल महाराष्ट्र समाज के लिए आस्था का केंद्र है, बल्कि यह पर्व मंडला के सभी श्रद्धालुओं को एकजुट करने का माध्यम भी बनता है। वर्षों से चली आ रही यह परंपरा समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का बड़े धूम धाम से मनाया गया148वाँ जन्मदिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 148 वाँ जन्मदिवस बड़े धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम बस स्टैंड के पीछे स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र विश्व शांति भवन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मंडला क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, सुभाष वार्ड सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, नैनपुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन, निवास सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी शिवकुमारी बहन और ब्रह्माकुमार भाई बहनें उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सुबह मुरली क्लास हुई। बाबा को भोग लगाया गया।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी ने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की जीवनी में प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का लौकिक नाम लेखराज कृपलानी था एवं उनका जन्म 15 दिसंबर 1876 को सिन्ध, हैदराबाद (वर्तमान समय पाकिस्तान में) पिता खूबचंद कृपलानी के घर में हुआ था, जो की एक ग्रामीण पाठशाला के हेडमास्टर थे। लेखराज की माँ का देहान्त, उनकी अल्पायु में ही हो गया था। करीबन २० साल की आयु में पिता खूबचंद का भी देहान्त हुआ, जिसके बाद लेखराज ने कुछ वर्ष अपने काका की अनाज़ की दूकान पर काम किया। बड़े होकर उन्होंने हीरे परखने की, जवेरी की कला सीखी और समय के साथ कलकत्ता के नामचीन हीरे के व्यापारी बन गए। उनका व्यापार मुंबई तक भी पंहुचा। समाज में भी उनका बड़ा मान था, व उनको लोग आदर से लखी बाबू कहते थे। जब उनकी आयु 60 साल के करीब रही होंगी, तो परमात्मा (शिव बाबा) में उन्हें कुछ साक्षात्कार करवाए। गहरी आध्यात्मिक समझ और साक्षात्कारों की श्रृंखला के पश्चात उन्होंने एक सशक्त आकर्षण को महसूस किया और अपने व्यवसाय को समेट कर अपना समय, शक्ति और धन को इस विद्यालय की स्थापना अर्थ खर्च किया जो बाद में प्र जा पि ता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बना।

तत्पश्चात केक कटिंग हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इसके बाद सभी ने ब्रह्माभोजन किया। इसके बाद प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर दोपहर 2 बजे से सुभाष वार्ड स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र से रैली निकाली गई। यह रैली सुभाष वार्ड सेवाकेंद्र से प्रारंभ होकर सुभाष वार्ड के सभी मार्गों से होते हुए सुभाष वार्ड सेवाकेंद्र में संपन्न हुई। सेवाकेंद्र में कार्यक्रम हुआ, जहां केक कटिंग किया गया, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। उसके बाद सभी को भोग दिया गया।

पदमी चौराहा में फिर हुआ एक्सीडेंट पिछले दिनों लगा था जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नेशनल हाईवे जबलपुर रायपुर मार्ग 30 हिरदेनगर पुलिस चौकी के अंतर्गत पदमी चौराहा एक्सीडेंट पाइंट बन गया है यहां लगातार दुर्घटना घटित हो रहे हैं। फिर रविवार को सुबह 9:30 बजे रोड क्रॉस करते समय दीनदयाल ठाकुर वृद्ध को एक कार ने जोरदार टक्कर मारकर घायल कर दिया है जिसका उपचार योगीराज हॉस्पिटल मण्डला में किया जा रहा है विदित है कि बुधवार को इसी स्थान पर एक भीषण हादसे में ड्राईवर कंडेक्टर की मौत हो थी तब क्षेत्रीय लोगों के द्वारा नेशनल हाईवे मार्ग में घंटो जाम लगाकर मांग की गई थी कि इस चौराहे का अतिक्रमण बिजली पोल सहित हटाकर अतिशीघ्र चौड़ीकरण किया जाये और यहां ओवर ब्रिज बनाया जावे लेकिन लगातार हादसे होने के बाद भी शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है न जाने और कितनी घटनाओं का इंतजार किया जा रहा है।

अन्नपूर्णा माता को अपिर्त किये गये

मण्डला। पूर्व नाम रपटाधाम माहिष्मती घाट माँ नर्मदा तीरे माँ के पावन धाम में द्वादश ज्योतिर्लिंग के सामने श्री गणेश मंदिर में मां अन्नपूर्णा को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी लगातार 20 वर्षों से 56 भोग मां रेवा सेवा एवं महाआरती आयोजन समिति के तत्वाधान में सभी की उपस्थिति में भोग लगाया गया आप सभी पर मां नर्मदा मां अन्नपूर्णा सत्य सनातन के सभी देवी देवताओं का आशीर्वाद इसी तरह है आप हम सब पर बना रहे।

अभियान | शराब तस्करी रोकने और अवैध शराब बिक्री रोकने कार्यवाही की मांग।

महाराजपुर थाना प्रभारी को कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

*** लगातार अवैध शराब के विरूद्ध अभियान चला रही कांग्रेस।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आबकारी आयुक्त मध्य प्रदेश के द्वारा अवैध शराब के प्रचलन पर रोक लगाए जाने के उद्देश्य से सम्पूर्ण मध्यप्रदेश राज्य में विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, परन्तु मण्डला जिले और शहर के उपनगरीय क्षेत्र महाराजपुर के माँ नर्मदा जी के तट से लगे इलाकों पर होटल ढाबों किराना पान दुकानों से शराब की बिक्री की जा रही है। जिला आबकारी विभाग के अधिकारी कर्मचारी अपने सेटअप और खाना पूर्ति में लगे रहते हैं कुछ अवैध शराब व्यापारियों को उनके द्वारा कॉल कर पहले ही सूचित कर दिया जाता कि 10 या 12 पाव का मामला बनवा लो, छोटे-छोटे शराब व्यापारियों को पकड़कर उनके खिलाफ कार्यवाही कर विभाग अपनी ही पीठ थपथपा लेता है। मण्डला जैसे पवित्र स्थानों पर गली-गली शराब बेची जा रही है जिससे समाज में अपराध और घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

सरकार के आदेश के खिलाफ प्रशासन लगातार मौन रख कर शराब माफिया को संरक्षण दे रहा है आबकारी विभाग के दल को यह सूचना होती है कि माँ नर्मदा जी के किनारे किन किन क्षेत्रों में अवैध शराब बनाए जाने तथा काफी अधिक मात्रा में अवैध रूप से हाथ भट्टी कच्ची शराब बनाई जाती है और उसे आस-पास के बहुत से ग्रामीण क्षेत्रों में सप्लाई किया जाता है, जिससे जनहानि होने की आशंका रहती है। इसीलिए इस पर अंकुश लगाए जाने की आवश्यकता है। विभाग की अराजकता के चलते जनता में भारी आक्रोश है,जनता की सुरक्षा और धार्मिक मान्यताओं के संरक्षण के लिए कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ मण्डला ने थाना प्रभारी महाराजपुर को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री आलोक जैन,शहर कांग्रेस अध्यक्ष टिंगू उसराठे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आशु जैन, रोहिणी स्वरूप, अंजना नामदेव, खुब्बी नायक, बाबा दुबे, मीरा धनगर, कमलेश मर्सकोले, रानी राय, ऊषा राय, अंकित जैन, कृष्ण कुमार, अमन लाहौरी, जावेद कुरैशी, आतिफ खान आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

टेंडर के बाद भी नहीं कराया जा रहा पीडब्यूडी द्वारा कार्य

*** कहीं बंदरबाट की योजना तो नहीं बन रही।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नियमानुसार किसी भी कार्य का टेंडर होने के बाद लगभग एक माह के अंदर कार्य प्रारंभ कर दिया जाना चाहिए यदि कार्य प्रारंभ नहीं किया जा रहा तो कई सवाल खड़े होते हैं मिली जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग मण्डला के उपसंभाग नैनपुर के अंतर्गत मक्के बंधा राता रोड एवं सर्री जैदेपुर रोड में बनी अनेकों पुल पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिसके कारण पिछले दिनों दुर्घटनाएं भी हुई है इसी वजह से इन पुल पुलियों के मरम्मत कार्य हेतु 6 माह पूर्व टेंडर हो गया है लेकिन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी की तानाशाही के चलते उक्त मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है टेंडर होने के बाद काम न कराया जाना कई सवाल खड़े कर रहा है कहीं बंदरबाट की तैयारी तो की जा रही जबकि उक्त मामले की शिकायत सीएम हेल्प लाइन में भी की जा चुकी है इसी तरह खड़देवरा चौराहा में पेट्रोल पम्प के पास नेशनल हाईवे से बस्ती तक बनाई गई एप्रोच रोड भी स्टीमेंट के अनुसार नहीं बनाई गई है सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त माप पुस्तिका में उल्लेख है कि रोड के दोनों तरफ पटरी में मुर्रम डाली गई है एवं मील का पत्थर लगाया है जबकि धरातल के अनुसार ऐसा नहीं किया गया है और रोड की मोटाई भी माप पुस्तिका के अनुसार नहीं है जो जांच का विषय है।

खबर संक्षेप

पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का दिया गया लाभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों का आयोजन जिले की समस्त नगरीय निकायों के सभी वार्डों में 11 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते हुये दिवस नगर पालिका क्षेत्र गाडरवारा के गांधी वार्ड एवं राजेंद्र बाबू वार्ड के लिए स्टेशन स्कूल में शिविर का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर में दोनों वार्डों के पात्र हितग्राहियों को राज्य व केन्द्र शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभांवित किया गया। इस दौरान सेंट्रल बैंक ने भी शिविर लगाया। शिविर में वार्ड पार्षद जितेंद्र जायसवाल व कमल खटीक के आलवा शिविर प्रभारी हिमांशु अतुलकर, शुभांशु साहू, जनकल्याण पर्व के नोडल मेघा गुप्ता, आंगनबाड़ी सुपरवाईजर व कार्यकर्ता सहित नगर पालिका के कर्मचारी और अन्य जनप्रतिनिधि व कर्मचारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि अभियान का उद्देश्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार की 14 हितग्राहीमूलक योजनायें, लक्ष्य आधारित योजनाओं में हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें हितलाभ शिविरों के माध्यम से प्रदाय किया जाना है। इसके लिए 70 वर्ष से अधिक तथा भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड, राजस्व महाअभियान 3.0, आधार केम्प और हितग्राहीमूलक, लक्षित योजनाओं तथा सेवाओं के संबंध में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सम्पर्क दल का गठन किया है।

पाली की प्राथमिक शाला मे आयोजित किया गया शैक्षिक संवाद

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा। क्षेत्र के जनपद पंचायत साईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पाली (खैरी) में बीते हुये दिवस जनशिक्षा केंद्र बनवारी अंतर्गत शासकीय शालाओं मे कक्षा पहली एवं कक्षा दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों का शैक्षिक संवाद आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस अवसर पर शैक्षिक संवाद के विषय पीयर लर्निंग के वारे में शिक्षकों से संवाद किया गया। वही बताया जाता है कि शैक्षिक संवाद में बीएसी पवन राजोरिया ने कहा कि इस प्रकार के संवादों के आयोजन से शिक्षकों के सीखने की क्षमता विकसित होती है। जन शिक्षक पंकज पाठक ने कहा कि सभी शिक्षक संवाद के दौरान अपने अनुभव जरूर शेयर करें। शैक्षिक संवाद मे शिक्षक सुरेंन्द्र पटैल ने कहा कि एफएलएन मे हम सभी एक दूसरे से अनुभव बांटकर कार्य करें। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक सिराज अहमद सिद्धिकी एवं ब्रजेश श्रीवास ने सभी को नए वर्ष का कैलेंडर एवं पैन भेंट किए एवं सभी से अपने स्कूलों को बेहतर बनाने की अपेक्षा जताई। बताया जाता है कि शासकीय प्राथमिक शाला पाली एक आदर्श शाला के रूप मे विकसित हो रही है। संवाद के दौरान शिक्षकों ने पूरे परिसर को देखा एवं वहाँ का शैक्षिक वातावरण देखकर शिक्षक अभिभूत हुए। शैक्षिक संवाद मे शील मेहरा, अनिरुद्ध अवस्थी सहित जनशिक्षा केंद्र के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर खड़ा होना पड़ रहा है लाईनों में

हरिभूमि न्यूज/चीचली। भले ही सरकार द्वारा किसानों को सभी प्रकार की सुविधाए प्रदान करने की बात कहते हुये अपने आपको किसान हितैषी बताने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने के लिये जिस सामग्री की जरूरत पड़ती है और वही समय पर तथा सही दामों पर न मिले तो फिर सरकार द्वारा अपने आपको किसान हितैषी कहने का क्या औचित्य...? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार में बैठे हुये नेताओं से लेकर मंत्रीगण इस बात को न जानते हो कि किसानों को अपने खेतों में डालने के लिये किस समय कौन सी जरूरी सामग्री की आवश्यकता होती है ।

तेज ठंड भी नहीं रोक पाई माँ रेवा मैया के भक्तों की आस्था का जुनून

रात भर पैदल स्नान करने जाने वालो की सड़को पर चलती रही भीड, अगहन पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़ा जन सैलाब, लोगों ने आस्था की डुबकी लगाते हुये किया पूजन अर्चन के साथ भंडारों के आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रधान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये रविवार यानि की अहगन पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि तेज ठंड के चलते जहां लोगों का अपने घरों में विस्तर से निकलना मुश्किल हो रहा था। मगर इसके बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह देखे जा रहे थे कि यह ठंड भी उनके दिलों में पैदा ही भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई जिसमें बच्चों से लेकर महिला पुरूष व वृद्व तक शामिल थें। माँ नर्मदाजी की आराधना में लीन भक्त जन रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस संबंध में ग्राम आंडेगांव निवासी माँ नर्मदा भक्त एक महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से ग्राम सिंहपुर छोटा निवासी एक 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि हम अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इसी प्रकार से जब वह सोमवार की शाम तेज ठंड के बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही थी तो नगर की पानी टंकी के पास पूर्व पार्षद व समाजसेवी मनोज पटैल द्वारा हर पूर्णिमा पर नर्मदा भक्तों के लिये चाय पिलाने के लिये की जाने वाली व्यवस्था के दौरान चाय पीने के लिये बैठे हुये नर्मदा भक्तों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि भले ही आज ठंड तेज है। मगर हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने का क्रम नही छोड़ सकते है। जब हम पैदल चलते है तो न ठंड लगती है और न ही कोई परेशानी होती है। क्योंकि इस धरती पर हर व्यक्ति की रक्षा करने वाले माँ नर्मदा ही है जब जिस माँ की पूजन अर्चन करने के लिये हम ला रहे है तो फिर वह माँ अपने बेटों को यदि कोई परेशानी होगी तो खुद ही उसे चंद मिनिटों में हरण करने से नही चूकेगी। इस तरह से ग्राम गोटीटोरिया से पैदल नर्मदा स्नान करने के लिये जा रही एक वृद्व लगभग 65 वार्षिय महिला से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि यह पहला अवसर नही है कि जब हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जा रहे है। हमारे द्वारा हर साल इस तरह पूर्णिमा के मौके पर तीन चार बार पैदल जाते है। जब उनसे पूछा गया कि अम्माजी इस तरह आज तेज ठंड के बीच आपको परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा.. तो उनका कहना था कि अब परेशानी तो घर बैठे भी आ सकती है। उसी परेशानी को माँ नर्मदाजी हरण करती है तो फिर जब उनके चरणों का आर्शीवाद लेने के लिये जा रहे है परेशानी कहा से आ सकती है। इस तरह बीते हुये शनिवार की रात नगर की सड़को पर जहां इस तरह तेज ठंड के बीच हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह आगहन पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी?

रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाला कबाड़ कारोबार को लेकर अधिकारियों की अनदेखी खड़े कर रही सबाल..?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां फैली हुई कबाड़ की दुकानों की सच्चाई किसी से छिपी नही है जिन पर जहां खुलेआम चोरी का समान खरीदने के साथ साथ अन्य सच्चाई आये दिन पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही में सामने आती जा रही है? क्यों के कबाड़ के कारोबार के चलते जहां कबाड़ी चंद दिनों में लखपति बन रहे है और इसी का परिणाम है कि यह कारोबार शहरों के साथ साथ अब गांवों में फैल रहा है, जिन पर जिस प्रकार की सामग्री खरीदी जाती है उसको पुलिस प्रशासन से लेकर क्षेत्र की आम जनता भी अच्छे से जान चुकी है? इसके आलवा नगर के अंदर जहां तहां संचालित होने वाली इन कबाड़ दुकानों के चलते नगर के साथ साथ आस पास निवास करने वालो लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? मगर इस सच्चाई को प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उनकी कार्य शैली पर प्रश्न बाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? बताया जाता है कि इन दुकानों पर कबाड़ के रूप में खरीदा गया प्लास्टिक की सामग्री इस प्रकार से होती है कि यदि उसमें जरा सी आग लग जावे तो उसे काबू में कर पाना मुश्किल ही नही बल्कि नामुकिन हो सकता है जिसके कारण कबाड़ दुकान के साथ साथ यह आग संपूर्ण क्षेत्र को अपने आकोश में लेने चंद मिनिट ही काफी हो सकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए कुछ वर्ष पहले उस समय देखने मिल चुकी है जब नगर के वायपास मार्ग व पेट्रोल पंप के पीछे संचालित होने वाले एक कबाड़ दुकान में देखा गया जब रात के समय अचानक आग लग जाने के कारण चंद मिनिट में ही आग ने अपना विकराल रूप ले लिया गया, वह तो अच्छा यह हुआ की इस आग पर तुरंत काबू पा लिया गया नही तो पता नही नगर में क्या स्थिति निर्मित हो जाती इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है? क्योंकि जहां इस घटना स्थल से पेट्रोल पंपों की दूरी चंद कदम पर थी वही यह संपूर्ण क्षेत्र रहवासी माना जाता है जिसके चलते लोगों की जान पूर्णरूप से खतरे में नजर आने लगी थी? इस घटना को देखते हुए लोगों का कहना है कि इस प्रकार से नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों सहित स्कूलो व अन्य रहवासी क्षेत्रों में संचालितहो रही है जिसके चलते वहां पर रहने वाले लोगों को खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए जान पड़ रही है।

नेशनल लोक अदालत में समझौते से निपटे मामलों में पक्षकारों के चेहरे पर देखने मिली अनोखी खुशी की लहर, पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पौधों का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय मप्र एवं कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्ग दर्शन में बीते हुये शनिवार को स्थानीय न्यायालय परिसर में प्रथम जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव एवं उपस्थित न्यायाधीशो तथा अधिवक्ताओं ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर सर्व प्रथम महात्मा गांधी के तेल चित्र पर उपस्थित जनों ने दीप प्रज्वलित का शुभारंभ किया गया। बताया जाता है कि आयोजित हुई इस लोक अदालत लंबे समय से विभिन्न विभागों के चल रहे प्रकरणों को समझौते के साथ निराकृत किया गया। लोक अदालत में मुख्य रूप से विद्युत विभाग, पंजाब बैंक, स्टेट बैंक, बड़ौदा बैंक, बैंक ऑफ़ इंडिया, सोनाटा फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, चोला मंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड केंद्र में हुए समझौते करते हुये मामलों का निपटरा किया गया। वही इस मौके पर वन विभाग द्वारा पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये पक्षकरों को फलदार वृक्षों के पौधों का वितरण किया गया। लोक अदालत के दौरान निपटाये गये प्रकरणों में नेशनल लोक अदालत के दौरान न्यायालीन प्रकरण में रखे गए 320 वही निपटारा हुआ 279 प्रकरणों का जिसमें राशि एक करोड़ 70 लाख 55 हजार 081 प्राप्त हुये। वही लाभान्वित व्यक्ति 309 रहे। वही प्रिलेटिगेशन विद्युत प्रकरण के अंतर्गत रखे गए 685 प्रकरणों में से 55 निराकृत होने पर राशि 45 लाख 20 हजार रुपया जमा होने पर इसमें लाभान्वित व्यक्ति 110 रहे। इसी प्रकार से प्रिलिटिगेशन बैंक प्रकरणों में रखे गए प्रकरण 5235 में से10 निराकृत होने पर राशि 22 लाख 31 हजार 600 रुपया तथा लाभान्वित व्यक्ति 20 रहे। इसी प्रकार से नगर पालिका में जलकर के रखे गए 400 प्रकरणो में 224 निराकृत होने पर चार लाख रुपया की राशि जमा हुई तथा लाभान्वित व्यक्ति 224 रहे तो संपत्ति कर में रखे गए 300 प्रकरणो में 110 निराकृत होने के साथ राशि 13 लाख 12 हजार 291 रुपया जमा हुई तथा लाभान्वित व्यक्ति 140 हुये। इसी तरह से पुलिस परामर्श केंद्र से प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस तरह बीते हुये कई सालों से चल रहे न्यायालयो प्रकरणों का निपटारा होने से पक्षकारों के चेहरों पर अनोखी मुस्कान देखने मिली। लोक अदालत के दौरान मुख्य रूप से न्यायाधीशो में मा. श्रीमती आरती ढींगरा तृतीय जिला न्यायाधीश, मा.सूरज सिंह राठौड़ चतुर्थ जिला न्यायाधीश, मा. अश्वनी परमार द्वितीय अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1, मा. अजय सिंह यादव अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1, मा. विनय सोनी अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1, मा.सुश्री शाम्भवी सिंह द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, मा. यश शर्मा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 कनिष्ठ खंड, वही बिजली विभाग के संभागीय कार्य पालन यंत्री आशुतोष ओझा, नगरपालिका से योगेंद्र ढिमोले तथा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष दिनेश बुधौलिया, उपाध्यक्ष गोपाल मेहरा,सचिव बसंत तपा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

धड़ल्ले से चल रहे है लकड़ी का अौवध परिवहन, खुलेआम बाजारों में बिक रहे सागौन लकड़ी से बनी सामग्री

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जगंलो की हो रही अंधा धुंध कटाई को लेकर सरकारों के साथ साथ आम लोगों भी चिंतित है प्रतिवर्ष सरकार द्वारा वृक्षारोपण के नाम से करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है। मगर इसके बाद भी वृक्षारोपण कम ही नजर आता है? वही दूसरी ओर जिस प्रकार से अंधाधुध हो रही वनों के साथ साथ राजस्व विभाग में लगे हुये हरे भरे वृक्षो की कटाई के चलते पूरी प्रकृति का वातावरण बदलता जा रहा है तो लकड़ी माफिया जलबे कर रहे है। इस तरह लगातार हो रही वनों की कटाई के साथ साथ जगंली जानवरों की भी लगातार मौत की खबर अब आम बात होती जा रही है। वही दूसरी ओर इन सब को रोकने लिए सरकार द्वारा वन विभाग बनाया गया है मगर यहां के इस विभाग संपूर्ण कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में दिखाई देने से नही चूक पा रही है? जिसका खुला उदाहरण है कि समीपस्थ जगंली क्षेत्र में लोगों द्वारा संबंधित विभाग की मिली भगत कहा जावे या फिर विभाग की उदासीनता से इमरती लकडी काटते हुए देखी जा रही है तो ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व विभाग की भूमि पर लगे हुये हरे भरे वृक्षों की लकड़ी माफियों द्वारा बलि चढ़ाने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि मा. उच्च न्यायालय द्वारा लगभग 53 किस्म के वृक्षों की कटाई सहित लकड़ी के परिवहन पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाया गया है। मगर इसके बाद भी वन विभाग सहित राजस्व विभाग के जिम्मेदार माने जाने वाले अधिकारियों की मिली भगत से क्षेत्र के गांवों में किसानों के खेतों में लगे हुये आम, महुआ, बबूल सहित अन्य प्रकार के हरे भरे वृक्षों पर आरी चलाते हुये लकडी माफिया उन्हें धराशायी करते हुये परिवहन करने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि इस तरह हरे भरे वृक्षों का कत्लेआम करने वाले लोगों द्वारा क्षेत्र के किसानों को जरा से लालच दिखाते हुये उनके खेतों में लगे हुये हरे भर व फलदार पेड़ो को कत्लेआम करते हुये बडे बडे शहरों में पहुंचाकर माला माल होने से नही चूक रहे है। इतना ही नही इस तरह लकड़ी की तस्करी करने वाले माफियों द्वारा आये दिन अधिकारियों पर अपनी बडे स्तर पर पहुंच होने का रौब झाड़ने से भी नही चूकते है। यह बात अलग है कि इस तरह लकड़ी के अवैध परिवहन में कुछ महिनों से रूकावट देखने मिल रही थी । मगर कुछ दिनों से फिर गति पकड़ते हुये दिखाई देने लगा है जिसका परिणाम है कि इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतों पर लगे हुये पेड़ो का जहां कत्लेआम होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस तरह काटे जाने वाले हरे भरे वृक्षों की लकड़ी या तो जिले से बाहर भेज दी जाती है या फिर गाडरवारा सहित अन्य शहरों में संचालित हो रहे टालो पर पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस तरह क्षेत्र में खुलेआम चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन की सच्चाई रात का अधियारा होते ही शुरू हो जाती है और जहां तहां लकड़ी से लदे हुये ट्रेक्टर ट्राली नजर आने लगे है। इस तरह चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन व कटाई को लेकर निश्चित तौर से वन विभाग की भूमिका सबालों के घेरे में आने से इसल्यिे नही चूक पा रही है। क्योंकि इस लकड़ी के अवैध कारोबार से जुडे हुये लकडी माफियों को आये दिन वन की रखबारी करने वाले अधिकारियों या फिर कर्मचारियों के बीच यारना संबंध निभाते देखा जाना आम बात बन चुकी है? इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में फिर हरियाली पर कुल्हाडी चलने के साथ साथ लकड़ी का परिवहन करने वाले वाहन सड़को पर दिखाई देना शुरू हो चुके है? क्योंकि आये दिन देखा जाता है कि क्षेत्र के मुख्य मार्गो से लेकर बाजारों म तो वन विभाग की नाक नीचे से इमरती लकड़ी का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है।

कहने के लिये बना हुआ है ब्लाक मुख्यालय अनेक कार्यलियों का संचालन हो रहा गाड़रवारा से

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाते हुए मनमानी राशि खर्च की जा रही है, वही दूसरी ओर स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की मनमानी के चलते बच्चों की अच्छी पढ़ाई नही हो पा रही है इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक शासकीय स्कूलों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में जहां सैकड़ो छात्र छात्राएं अध्यनरत है वही शासकीय इन शालाओं में पदस्थ अनेक शिक्षको अप डाऊन करने के कारण शालाओं में समय पर उपस्थित नही हो पाते है, जिसका परिणाम है कि कई शासकीय विद्यालयों की पढ़ाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यदि क्षेत्र के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में देखा जावे तो

अनेक स्कूलों में शिक्षिकों की अनुपस्थिति बनी रहती है? वही ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलम आसानी से देखा जा सकता है, शिक्षा विभाग अच्छे वार्षिक परिणामों के लिए सतत प्रयासरत है। वही शासकीय शालाओं में शिक्षक गण देरी से पहुंचते है एवं समय के पहले शालाओं से कूंच कर देते है, जिसमें बताया जाता है कि अधिकांश शिक्षक शिक्षाकाएं बाहर से ट्रेनों के माध्यम से अप डाऊन करते हुए गाडरवारा से बस पकड़ने के बाद यहां तक पहुंच पाते है ऐसे में ट्रेन की लेट लतीफी के कारण वह समय पर शाला नही पहुंच पाते, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शासकीय शालाओं का अकास्मिक निरीक्षण करना चाहिए मगर उनके द्वारा निरीक्षण के नाम पर मात्र औपचारिकता पूर्ण करने की शैली के चलते अप डाऊन प्रवृति में लिप्त रहने वाले शिक्षकों के हौसले बुलंदियों पर नगर आने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि कई शिक्षक 2 दिन की छुट्टी की मंजूरी और सप्ताह भर छुट्टी मनाते है। ऐसे मै पढ़ाई प्रभावित होती है वही नौनिहालों के भविष्य की चिंता भी अभिभावक को सता रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कहने के लिए तो सांईखेड़ा ब्लाक मुख्यालय में अनेक शासकीय कार्यालय स्थापित है। मगर उनका संचालन गाडरवारा से होने के कारण यहां के शिक्षा विभाग के लिए बने हुए कार्यालयों में मात्र दिखाबा ही साबित होकर रह गये है? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि इन कार्यालयों का संचालन जब गाडरवारा से ही होना है तो उनकी स्थापना यहां होने का क्या उपयोगिता है?

खबर संक्षेप

नई शिक्षा नीति एवं जीवन कौशल पर आधारित सक्षम कार्यक्रम

डिंडोरी। जनजाति कार्य विभाग के सहयोग से संचालित नई शिक्षा नीति अंतर्गत 21वीं सदी के जीवन कौशल पर आधारित सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत आज 15 दिसम्बर 2024 को राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग विभाग व जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी से मुलाकात कर सक्षम मोमेंटो और सक्षम कार्यक्रम की मार्गदर्शिका पुस्तक को सक्षम कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक महारनप्रताप सिंह परमार और सक्षम कार्यक्रम के विकासखंड प्रबंधक नीरज तिवारी और प्रवीण उपाध्याय के द्वारा भेंट किया गया। सक्षम कार्यक्रम के बारे में परमार ने प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी को अवगत कराया और बताया कि सक्षम कार्यक्रम अंतर्गत जनजाति कार्य विभाग के सहयोग से जिले के समस्त माध्यमिक शाला, सी एम राइज विद्यालय और विशेष आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर व एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र - छात्राओं को गतिविधि के माध्यम से जीवन कौशलों कि विकसित कर रहे है।

तीन दिवसीय ओपन एवं ग्रामीण वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित

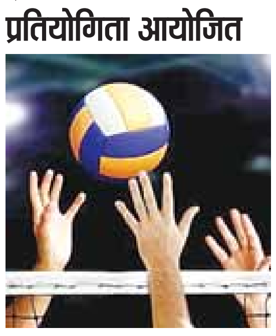

डिंडोरी । प्रतिवर्षानुसार स्वराज क्लब ग्राम बिजौरी माल ग्राम पंचायत रामगढ़ विकासखंड अमरपुर के तत्वाधान में 17 दिसंबर से तीन दिवसीय ओपन एवं ग्रामीण वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। जिसमें ओपन प्रतियोगिता में 250 रुपए एंट्री फीस एवं ग्रामीण प्रतियोगिता में 150 रूपए इंट्री शुल्क जमा कर टीमें में भाग ले सकते हैं। ओपन प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 15000 रुपए नगद व कप, द्वितीय विजेता टीम को 7000 रुपए नगद व कप तथा ग्रामीण प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 10000 रूपए नगद व कप एवं द्वितीय विजेता टीम को 5000 हजार रुपए नगद व कप प्रदान किया जाएगा। वहीं आयोजनों द्वारा बताया गया कि मैच डे नाइट होगा, वहीं पर 20 किलोमीटर से अधिक दूरी से आने वाले टीमों के लिए भोजन एवं आवास की व्यवस्था समिति द्वारा किया जाएगा।

झोरकी नाला में किया गया बोरी बंधान

कोतमा। कोतमा विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 4 में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था जी.एस. हितकारिणी समिति कोतमा के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मैनटोला व बैहाटोला द्वारा ग्राम पंचायत बैहाटोला के ग्राम मैनटोला के झोरकी नाला में बोरी बंधान के तहत जल संरक्षण का कार्यक्रम किया गया। यह पहल जल संरक्षण के लिए आवश्यकता को दर्शाती है जहां पशु पक्षियों व फसल के लिए पानी मिलेगा वही जल संरक्षण का कार्य भी होगा। प्रायः देखा जाता है कि गर्मियों के समय में नदी नाले सूख जाते हैं अगर इस पानी को संरक्षित कर लिया गया तो गर्मी के प्रारंभिक माह तक इसका उपयोग किया जा सकता है।

चोरी की वारदात कमरे में कैद

कोतमा। नगर में चोरियों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है पुलिस सुरक्षा को धता बताते हुए चोरों के द्वारा हर दिन कहीं ना कहीं चोरी की वारदात को अंजाम दिया जाता है। चोरो के बेखौफी का आलम यह है कि थाने के पीछे ही रेस्ट हाउस रोड कॉलोनी में कालरी कर्मचारी शारदा शर्मा के घर का दरवाजा तोड़ते हुए लाखों के गहने सहित नगदी व चांदी, पीतल फूल के महंगे बर्तनों की चोरी की वारदात को अंजाम देखकर फरार हो गए।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में विभागीय निर्माण कार्यों की समीक्षा

जल आपूर्ति व विकास पर दिया जोर

जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर लोगों को बांध निर्माण के लिए जागरूक करें: प्रभारी मंत्री

डिंडोरी।

राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग व जिले की प्रभारी मंत्री श प्रतिमा बागरी ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। उक्त बैठक में डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया, डिंडोरी जनपद पंचायत अध्यक्ष आशा धुर्वे, करंजिया जनपद अध्यक्ष चरण सिंह धुर्वे, कलेक्टर हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, आईएफएस प्रशिक्षु बालासुब्रमण्यम सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे।प्रभारी मंत्री ने विभागवार किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पीएमजनमन योजना के तहत निर्माणधीन कार्य, जल संसाधन विभाग के कार्य, नर्मदा विकास परियोजना, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एम्बुलेंस परिचालन, कृषि कार्य, नगरीय प्रशासन, जिला पंचायत, पीएचई विभाग, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, एमपीआरडीसी, लोकनिर्माण विभाग, आबाकारी विभाग सहित अन्य विभाग के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। प्रभारी मंत्री बागरी ने पीएम जनमन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में सभी टोलाओं तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं सभी लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

बाँध निर्माण के सम्बन्ध में की समीक्षा

प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी ने जिले जलआपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए मुड़की जलाशय, अपर नर्मदा, राघोपुर, बसनिया, बिलगांव आदि प्रोजेक्ट पर समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि राघोपुर परियोजना के तहत 3 गाँव का सर्वे शेष है। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर लोगों को बांध निर्माण के लिए जागरूक करें। बाँध निर्माण के लाभ बताये, बसनिया बाँध के संबंध में प्रभारी मंत्री से चर्चा कर सुगम मार्ग निकालेंगे, जिससे क्षेत्र का विकास हो सकेगा।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए, एम्बुलेंस उपलब्धता,आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल स्क्रीनिंग,एक्स रे, सोनोग्राफी मशीन का परिचालन सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रत्येक एम्बुलेंस के लिए बैकअप एम्बुलेंस तैयार करने के लिए योजना बनाने के लिए निर्देशित किया। जिला अस्पताल में एक्स रे और सोनोग्राफी मशीन को संचालित करने के लिए शीघ्र संचालन करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने जिले में खाली डॉक्टर के पदों पर प्रस्ताव पत्र लिखने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन के कार्यों की समीक्षा

नगर में स्वच्छता में सुधार करने के लिए निर्देशित करते हुए, कहा कि सीएमओ एक सप्ताह के अंदर सुधार लाएं, कार्य ना होने की स्थिति में कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मवेशी पॉलीथिन ना खाएं,इसलिए डीग्ड एरिया में कचरा प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला के लिए प्रस्ताव बनाये, जलाशय के सौंदर्यकरण की प्रगति की रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया।

जिले के विकास के लिए दिए आवश्यक निर्देश

आजीविका मिशन के तहत स्थानीय उत्पादों के लिए प्रचारित करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि बस स्टॉप,रेलवे स्टेशन जैसे सार्वजनिक स्थानों पर उत्पाद बिक्री के लिए कार्य कर स्थानीय उत्पाद जैसे कोदो कुटकी, लोह शिल्प आदि की ब्रांडिंग करें। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य में गुणवत्ता के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण कर रिपोर्ट भेजनें के लिए निर्देशित किया।उन्होंने जलसंकट वाले क्षेत्रों को पहले से चिन्हित कर पूर्वयोजना बनाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित योजनाओं को संचालित करने के लिए स्वसहायता समूह को सौपने के लिए टेंडरिंग कराने की प्रक्रिया के लिए निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने निर्माणाधीन सीएम राइज ईमारतों की छत गुणवत्ता के सम्बन्ध में कहा कि सुनिश्चित किया जाये,जिससे छत में वाटर लॉगिंग ना हो। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने वन क्षेत्र को विकसित करने के सम्बन्ध में कहा कि जंगली जानवरों की भोजन आवश्यकता के अनुसार उन्हें उसी क्षेत्र में भोजन उपलब्ध कराएं, जिससे जैव विविधता संतुलन बना रहे। उन्होंने कारोपानी सहित जिले के अन्य स्थलों में पर्यटन विकास के कार्य करने के लिए योजना बनाने की बात कही।

प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने अवैध शराब और अवैध उत्खनन के सम्बन्ध में पुलिस, राजस्व को आबकारी विभाग और खनिज विभाग के साथ संयुक्त कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कृषि फार्म के तहत 2500 एकड़ भूमि पर किये जा रहे कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिले के विभिन्न मुद्दों जैसे चैपाटी निर्माण, नगर परिषद भवन, शहर से बाहर ट्रांसपोर्ट नगर स्थापना, सब्जीमंडी के लिए शौचालय और पेयजल व्यवस्था के साथ स्थान निश्चित करने, नर्मदा घाट के सौंदर्यकरण एवं इको पार्क, परिक्रमावासियों के लिए आवश्यक व्यवस्था, सुलभ शौचालय निर्माण आदि विकास कार्यों के सम्बन्ध में डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सब्जीमंडी के सामने मांस विक्रय की दुकानों को हटाने, नर्मदा नदी में हो रहे उत्खनन, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री के सम्बन्ध में जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विधायक श्री ओमकार मरकाम ने जिला प्रशासन में अमला कम होने के सम्बन्ध में अवगत कराया,जिस पर प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने विभागों को प्रस्ताव बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अन्य जिलों से आने वाले प्रभारी अधिकारियों को सप्ताह में एक दिन अनिवार्य रूप से जिला मुख्यालय में आने और निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

आंनदम दीदी कैफे का निरीक्षण कर स्वसहायता समूह की दीदीयों से की चर्चा

डिंडोरी । राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास एवं जिले प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने आंनदम दीदी कैफे का निरीक्षण कर स्वसहायता समूह की दीदीयों से चर्चा की। उन्होंने दीदीयों से कैफे के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए,उनसे कैफे से हो रहे लाभ, बचत आदि की जानकारी ली, जिसमें दीदीयों ने बताया कि समूह की 12 दीदीयाँ कैफे में शिफ्ट अनुसार कार्य करती है। कैफे में स्थित आजीविका मार्ट के माध्यम से जिले में चल रहे, स्वसहायता समूह के विभिन्न स्थानीय उत्पादों की बिक्री की जा रही है। आजीविका मार्ट में सारसताल इकाई की शहद, समनापुर इकाई का अचार,अमरपुर तेल इकाई का तेल, समनापुर के लौहशिल्प उत्पाद आदि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने स्थानीय उत्पादों का क्रय कर स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने और आत्मनिर्भरता का सन्देश दिया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला भाजपा अध्यक्ष अवध राज बिलैया,डिंडोरी जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे, करंजिया जनपद अध्यक्ष चरण सिंह धुर्वे, नरेंद्र राजपूत ,कलेक्टर हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह,सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विकास प्रदर्शनी का प्रभारी मंत्री ने किया अवलोकन

डिंडोरी ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण पर्व के तहत आंनदम दीदी कैफे में लगायी गयी विकास प्रदर्शनी का राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने अवलोकन किया, प्रदर्शनी एक वर्ष की उपलब्धि को परिलक्षित करती है। प्रदर्शनी में केन्द्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों योजनाओं के हितग्राहियो तक पहुंच, सुशासन के ओर बढ़ते कदम, प्रदेश में पर्यटन के बढ़ावा देती सुविधाओं, राजस्व प्रकरणों के समाधान में साइबर तहसील के योगदान, कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशीलता आदि को प्रदर्शित किया गया है, जो विकास की ओर बढ़ते मध्य प्रदेश को बताता है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी सरकार की उपलब्धियों के साथ जनजागरूकता को बढ़ाती है, जिससे की योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जानकारी भी प्राप्त हो सके। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला भाजपा अध्यक्ष अवधराज बिलैया, डिंडोरी जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा धुर्वे, करंजिया जनपद अध्यक्ष चरण सिंह धुर्वे, श्री नरेंद्र राजपूत, कलेक्टर हर्ष सिंह, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया 62 वां स्थापना दिवस समारोह

डिंडोरी।

शनिवार के दिन पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय डिण्डौरी, ने अपने संगठन का 62,वां स्थापना दिवस समारोह प्रातः 9.00 बजे हर्सोल्लास से संपन्न किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्पण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके उपरांत बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं गीतों की सुरमयी कड़ियों में प्राथमिक विभाग ने गीतों से सभी उपस्थित लोगों के बीच समां बांध दिया स्थापना दिवस पर्व पर संगठन के विचार, इतिहास, संरचना और उपलब्धियों को केंद्रित करते हुए छात्रा हुसैनी सुजात शेख एवं वरिष्ठ प्राथमिक शिक्षक सीमा मलिक ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये ᑭ इस अवसर पर संगठन की आयुक्त, निधि पांडे, (आईआईएस) द्वारा भेजे गए सन्देश का वाचन शिक्षक अजय कुमार द्वारा किया गयाᑭ प्रभारी प्राचार्य तन्मय सुहाने एवं शिक्षक नजीर अहमद खान, सूर्य प्रताप सिंह व के आर मीना ने बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया तथा प्रमाण पत्र का वितरण कियाᑭ इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन को मिनी इंडिया और ज्ञान का आलोक स्तम्भ बतायाᑭ उन्होंने कहा की केन्द्रीय विद्यालय संगठन विश्व की सर्वाधिक विद्यालयों की श्रंखला है और बच्चों को इस बात पर गर्व करना चाहिए ᑭ केन्द्रीय विद्यालयों में न केवल उत्कृष्ट अध्यापन किया जाता है बल्कि नृत्य, संगीत, खेलकूद और सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का अवसर प्राप्त होता है सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन अजय कुमार एवं सूर्यकांत सोनवानी ने गरिमामय रूप में किया वरिष्ट शिक्षक सूर्य प्रताप सिंह द्वारा कार्यक्रम का समापन व धन्यवाद ज्ञापन किया गया विद्यालय गीत भारत का स्वर्णिम गौरव क्रनद्रिया विद्यालय लाएगा के भावों से ओत-प्रोत विद्यार्थी एवं पालक समूह का उत्साह और बधाई का सिलसिला प्रांगण को भाव-विभोर कर गयाप।

विजिट दल ने बिस्कुट बनाने की प्रक्रिया का किया अवलोकन

गोरखपुर न्यूज।

डिंडौरी जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुसामुंडी में तेजस्विनी मेकलसुता महासंघ गोरखपुर के अंतर्गत संचालित बेकरी इकाई का भ्रमण करने छत्तीसगढ़ बेमतरा के महिला एवं बाल विकास विकास के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का विजिट दल द्वारा रविवार को यूनिट पहुंचा । जिन्होंने यहां संघ की महिलाओं द्वारा कोदो कुटकी से निर्मित बिस्किट निर्माण करने की प्रक्रिया को देख तत्संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त ।इस दरमियान विजिट दल ने आंगनबाडी के बच्चों को पूरक पोषण आहर दिए जाने के बारे में पूंछताछ करते हुए अपने अपने विचारों का आदान प्रदान किया। दूरभाष से पूंछे जाने पर नोडल अधिकारी ईश्वर प्रसाद साहू ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया की संघ में महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बेमतरा छत्तीसगढ़ सहित अन्य स्थानों के समूह सदस्यों के द्वारा संघ के इकाई के माध्यम से किये जा रहें गतिविधियों का बारीकी से देखने समझने तथा इसका अनुसरण कर ऐसे ही कामों को अपने क्षेत्र में विकसित करने हेतु विजिट किया जाता है ताकि वहां की महिलाएं भी ऐसे नवाचार का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकें । आज के विजिट में समूह सदस्य आंगनबाडी कार्यकर्त्ता, सुपर वाइजर एवं व्योम श्रीवास्तव, डीपीसीओ एवं संघ के अध्यक्ष प्रेमवती साहू, प्रभा साहू, बालमुकुंद बघेल, एवं यूनिट स्टॉफ उपस्थित रहें।

तानाशाही प्रबंधन से आरसी स्कूल का अस्तित्व खतरे में

चचाई। विद्युत नगरी चचाई में संचालित मान्यता प्राप्त सीबीएसई मान्यता प्राप्त आरसी इंग्लिश मीडियम स्कूल जिसका नाम वर्षों पूर्व शहडोल संभाग में बेशुमार था जिसका प्रबंधन व शिक्षकों की योग्यता से कई छात्र अच्छे पदों में रह देश की सेवा में है। यही विद्यालय समय के साथ बदलते गलत प्रबंधन का शिकार हो आज सरकारी स्कूल से भी गया बीता हो गया है।

गलत प्रबंधन ने डुबोई नैया

संभाग में फर्राटेदार अंग्रेजी में शुमार इस विद्यालय को प्रबंधन में मंडल के बड़े-बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों के हाथ में जाते ही समय के साथ-साथ अलग-अलग राज्यों से आकर शिक्षा दे रहे शिक्षकों के सेवानिवृत्त होते ही प्रबंधन द्वारा योग्यता को छोड़ दोस्ती परिवारवाद की नीति अपनाकर शिक्षकों की भर्ती कर विद्यालय को राजनीति का केंद्र बना दिया यही से विद्यालय का पतन होने लगा।

आयोग्य अनुभवहीन शिक्षक- विद्यालय प्रबंधन शिक्षक भर्ती का विज्ञापन निकाल डिग्री डिप्लोमा को छोड़ अपने करीबियों की भर्ती कर विद्यालय को गणित में ले जाने में अहम रोल निभाया। आज भी कई शिक्षक ठीक से अंग्रेजी नहीं बोल पाते तो बच्चों को कैसे पढ़ाएंगे। प्रबंधन के करीबी शिक्षकों के शह पर विद्यालय चलता है अधिकांश शिक्षक ट्यूशन पढ़ा घर को ही स्कूल बना बैठे हैं।

प्रबंधन व शिक्षकों का सौतेला व्यवहार- विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के ट्रांसफर रिटायरमेंट के कारण हर वर्ष नए-नए सदस्यों के आने से विद्यालय अव्यवस्थित होता गया समिति के सदस्यों के पास समय का अभाव होने से विद्यालय ना आकर फोन से ही विद्यालय की व्यवस्था चलते हैं। विद्यालय के अभिभावकों के अनुसार विद्यालय में प्रबंधन समिति एवं विद्यालय में पदस्थ अधिकांश शिक्षकों के बच्चे इस विद्यालय में ना पद अन्य इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ने जाते हैं जिसके कारण समिति व शिक्षक विद्यालय के शिक्षा स्तर को सुधारने में कोई रुचि नहीं दिखाते। विद्यालय से जुड़े अभिभावकों का कहना है कि स्कूल का स्तर सुधारने हेतु समिति एवं शिक्षकों के बच्चे यही पढ़ें ट्यूशन प्रथा बंद हो ।

एक हजार 701 प्रकरणों का हुआ निराकरण

नेशनल लोक अदालत में 7 करोड़ से अधिक की राशि का अवार्ड पारित

2 हजार 269 पक्षकारों को किया लाभांवित, एक हजार 701 प्रकरणों का हुआ निराकरण

नरसिंहपुर

मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय मप्र एवं कार्यपालक अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर जिला प्राधिकरण नरसिंहपुर के एडीआर भवन में शनिवार को किया। नेशनल लोक अदालत में लंबित प्रकरणों में से कुल 566 प्रकरणों का गठित खंडपीठों द्वारा पक्षकारों के आपसी राजीनामे एवं सहमति से निराकरण किया गा। इसमें 970 व्यक्तियों को लाभांवित कर 4 करोड़ 66 लाख 63 हजार 585 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। नेशनल लोक अदालत द्वारा बीएसएनएल, नगर पालिका, बैंक, विद्युत आदि विभागों से संबंधित कुल 1135 प्रीलिटिगेशन के प्रकरणों का भी निराकरण पक्षकारों के राजीनामे के माध्यम से किया गया। इसके तहत कुल 2 करोड़ 51 लाख 36 हजार 356 रुपये की प्रतिकरध वसूली राशि पक्षकारों से प्राप्त कर 1299 पक्षकारों के प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त नेशनल लोक अदालत में कुल एक हजार 701 लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के अधीन कुल 7 करोड़ 17 लाख 99 हजार 941 रुपये अवार्डध वसूली राशि प्राप्त हुई। नेशनल लोक अदालत में जिले में कुल 25 खंडपीठों का गठन किया गया था।

इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अरविंद रघुवंशी द्वारा कुल 30 राजीनामा योग्य पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। श्री रघुवंशी के विशेष प्रयासों से 5 पति- पत्नी के परस्पर विवाद का सौहार्द्रपूर्ण समझौता भी कराया गया है, जिसमें ग्राम सिमरिया के राहुल विश्वकर्मा पत्नी वंदना कौरव, ग्राम सगौनीकला की उमा चैधरी विरूद्ध संतोष चैधरी, ग्राम पिपरिया (सासबहू) की गीता मालवीय विरूद्ध जगदीश मालवीय, करेली बस्ती की रक्षा केवट विरूद्ध नितिन केवट और करेली की पूजा मोरे एवं शुभम मोरे के प्रकरणों में पीठासीन अधिकारी के समझाईश पर उभयपक्ष पुनरू दांपत्य संबंधों की रक्षा करने व निर्वाहन करने के लिए वचनबद्ध हुए। राजीनामा सफल रहा और पति- पत्नी के रूप एक- दूसरे को फूलमाला पहनाकर व पौधे लेकर अपने घर चले गये। प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री जोशी ने नेशनल लोक अदालत में न्यायाधीशगणों व अधिवक्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों के निराकरण में विशेष प्रयास करने व नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने का आव्हान किया। नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ कार्यक्रम को जिला न्यायाधीशध नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री अखिलेश धाकड़ एवं अभिभाषक संघ अध्यक्ष मुकेश शर्मा, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह ने संबोधित किया। कार्यक्रम में स्वागत उदबोधन सचिव जिला प्राधिकरण वैभव सक्सेना ने व आभार प्रदर्शन चीफ डिफेंस काउंसिल विष्णु श्रीवास्तव ने किया। तहसील विधिक सेवा समिति गाडरवारा, तेंदूखेड़ा व गोटेगांव में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में जिन पक्षकारों के द्वारा राजीनामा के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया गया और उन्हें पौधे देकर सम्मानित किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश अरविंद रघुवंशी, जिला न्यायाधीश नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत अखिलेश कुमार धाकड़, श्रीमती रश्मिना चतुर्वेदी, सचिव जिला प्राधिकरण वैभव सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सीजेएम प्रसन्न सिंह बहरावत, जिला रजिस्ट्रार राधाकृष्ण यादव एवं अन्य समस्त न्यायाधीशगण, सचिव जिला अधिवक्ता संघ सुलभ जैन, लोक अभियोजक धर्मेन्द्र ममार, एसई अमित चैहान, डिवीजनल इंजी. नीरज परस्ते, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण और अन्य अधिवक्तागण मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पेंशनर डे पर विद्युत पेंशनर का सम्मेलन 17 को

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल एसोसिएशन शाखा नरसिंहपुर के बैनर तले पेंशनर डे 17 को पूर्व राज्य सभा सांसद कैलाश सोनी एवं विधायक प्रतिनिधि डालचन्द्र अगासिया की अध्यक्षता में करेली स्थित राम मंदिर परिसर में विद्युत पेंशनरों का सम्मेलन होगा। जिसमें 75 वर्ष से अधिक आयु वाले पेंशनरों का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा सभी विद्युत पेंशनरों से अपनी उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील हैं।

रोल प्रेक्षक की बैठक 19 को

नरसिंहपुर। रोल प्रेक्षक व आयुक्त जबलपुर अभय वर्मा का जिले में द्वितीय भ्रमण 19 दिसम्बर को प्रस्तावित है। आयुक्त जबलपुर की अध्यक्षता में 19 दिसम्बर को दोपहर 2.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नरसिंहपुर में बैठक लेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के मान से फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 प्रचलित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा नामावली के पुनरीक्षण कार्य के लिए पर्यवेक्षक के लिए आयुक्त जबलपुर को नरसिंहपुर जिला का रोल प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। यह जानकारी अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

पीजी कॉलेज ऑडीटोरियम में दिव्यांगों हेतु शिविर

नरसिंहपुर। दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करने के लिए जिले में चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर जिले के जनपद व नगरीय निकायों में किये जा रहे हैं। उक्त शिविरों का आयोजन जनपद पंचायत व नगरपालिका नरसिंहपुर एवं जनपद पंचायत करेली व नगरपरिषद करेली के लिए 16 दिसंबर को पीजी कॉलेज ऑडीटोरियम नरसिंहपुर में, जनपद पंचायत चॉवरपाठा व नगरपरिषद तेंदूखेड़ा के लिए 17 दिसंबर को मंगल भवन तेंदूखेड़ा में, जनपद पंचायत व नगरपरिषद चीचली, नगरपरिषद सालीचैका के लिए 18 दिसंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचैका में और जनपद पंचायत व नगरपरिषद साईखेड़ा के लिए 19 दिसम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सांईखेड़ा में शिविर आयोजित किये जायेंगे। उक्त शिविर में दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों को समग्र आईडी, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, आय प्रमाण पत्रध गरीबी रेखा कार्ड, यूडीआईडी आदि दस्तावेज साथ में लाना होगा।

पुलिस बैंड दल द्वारा राष्ट्रभक्ति गीतों की धुनों पर आज दी जायेगी प्रस्तुति

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व एवं विजय दिवस के अवसर पर जिला पुलिस नरसिंहपुर के पुलिस बैण्ड दल द्वारा नगर के जनपद मैदान काम्प्लेक्स, सुभाष चैक पर राष्ट्रभक्ति गीतों की धुनों की दी जावेगी प्रस्तुति। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशानुसार आज 16 दिसम्बर को मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व एवं विजय दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस बैंड दल द्वारा प्रस्तुति दी जाना है। मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिला नरसिंहपुर में गठित बैंड दल द्वारा 16 दिसम्बर को मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व एवं विजय दिवस के अवसर पर जनपद मैदान काम्प्लेक्स, सुभाष चैक नरसिंहपुर मे राष्ट्रभक्ति गीतों की धुनों की दी जावेगी प्रस्तुति। पुलिस अधीक्षक, श्रीमति मृगाखी डेका एवं नरसिंहपुर पुलिस जिले वासियों से अपील करते है कि 16 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे बजे उपस्थित होकर नरसिंहपुर पुलिस के बैंड दल का मनोबल बढावें।

---

25 यूनिट ब्लड डोनेट कर 20 लोगों ने लिया देहदान का संकल्प, सत्संग का आयोजन

नरसिंहपुर। विवेकानंद महाविद्यालय में रविवार को एकदिवसीय सत्संग का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की । कार्यक्रम में करीब 2 हजार लोग पहुंचे जिनमें मंडला, जबलपुर, सागर, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा से भी श्रद्धालु सत्संग सुनने पहुंचे । सत्संग का आयोजन सुबह 9 बजे से 12 बजे तक हुआ सत्संग खत्म होने के बाद 12 बजे से ब्लड डोनेशन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें संत रामपाल जी महाराज के 25 अनुयायियों ने ब्लड दान दिया ब्लड डोनेट करने वालों ने बताया कि ब्लड की कमी से अनेकों लोग अपनी जान गवां देते हैं। ब्लड डोनेशन के साथ-साथ देहदान के संकल्प पत्र भी भरे गए 20 अनुयायियों ने परिवार की सहमति से देहदान के आवेदन भरे जिन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में जमा कराएंगे । सत्संग में संत रामपाल जी महाराज ने समाज में व्याप्त बुराइयों के बारे में बताया कि समाज में दहेज प्रथा, मृत्युभोज, विवाहों में फिजूलखर्ची जैसी अनेकों परम्पराओं ने समाजों को खोखला कर दिया है। कार्यक्रम में प्रदेश कॉर्डिनेटर विष्णु साहू, जिला कॉर्डिनेटर महेंद्र शर्मा, हरिराम साहू, इमरत पाल, तहसील कॉर्डिनेटर जगमोहन शर्मा, देवीदास आदि अनुयायियों ओर ब्लड कलेक्शन यूनिट की मौजूदगी रही।

मंत्री उदय प्रताप कांग्रेस पर आरोप लगाने के पहले अपने गिरेबान में झांके युवा कांग्रेस ने लगाये आरोप

नरसिंहपुर। प्रदेश सरकार के मंत्री राव उदय प्रताप सिंह कांग्रेस को इतिहास की वस्तु बता रहे हैं परंतु उन्हें यह कहने के पहले सौ बार सोचना था कि कांग्रेस के इतिहास के कारण ही वे जनपद अध्यक्ष, विधायक सांसद बने और आज उनकी जो पहचान है वह कांग्रेस के कारण ही बनी। लगता है सत्ता के लोभ और भाजपा में अपने पहचान बनाए रखने के लिए ऐसे बयान देकर अपना स्थान सुरक्षित बनाए रखना चाहते हैं।

उक्त बात प्रेस विज्ञप्ति में रखते हुए युवा कांग्रेस के रोहित पटैल, अतुल चैरसिया , ईशान राय ,अंकुर बटरी ,प्रियंक कहार ने कहा कि कभी भी श्री राव उदय प्रताप सिंह ने संघर्ष नहीं किया केवल अवसर की तलाश में रहे और कांग्रेस ने उन्हें अनेक पद दिए इसके बावजूद भी वे आज कर्मठ भाजपाई बनने के चक्कर में अपने अतीत को भूल रहे हैं। परंतु उन्हें यह मालूम होना चाहिए हर समय एक सा नही होता , कांग्रेस ने इससे बुरा और कठिन दौर भी 1977 और 1989 में देखा है कांग्रेस जनता जनार्दन के आशीर्वाद से फिर खड़ी हुई और कई बार सत्ता में आई। युवक कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि एक वर्ष की कथित उपलब्धियां बताने आए मंत्री जी को याद होना चाहिए कि महिलाओं को 3000 रुपए नहीं मिल रहे, वादे के अनुसार भाजपा सरकार किसानों को गेहूं पर 2700 रुपए एवं धान पर 3000 रुपए प्रति किंटल नहीं दे रही खाद बीज के लिए किसान भटक रहा है महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी को प्रताडित कर रखा है। पूरे प्रदेश के साथ नरसिंहपुर जिले में शिक्षकों की कमी और जर्जर स्कूलों की स्थिति किसी से छिपी नही है। स्मैक जैसा घातक नशा और गुंडा गर्दी गाडरवारा विधानसभा में चरम पर है।

पेंशन डे मनाये जाने को लेकर हुई बैठक

नरसिंहपुर

पेंशन डे मनाए जाने की लेकर पेंशनर समाज की तहसील शाखा नरसिंहपुर की कार्यकारिणी बैठक अनिल राय की अध्यक्षता में हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि 17 दिसम्बर को पेंशनर्स डे गायत्री मंदिर सभागृह में दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक मनाया जाएगा । जिससे वृद्धो के सम्मान के साथ पेंशनर्स भाईयों की समस्याओं को सुना जावेगा व निदान करने की कोशिश की जायेगी व अन्य विषयों पर चर्चा होगी । बैठक में वरिष्ठ संरक्षक रमाकांत गुप्ता, अनिल राय, सी बी शर्मा, विजय शर्मा, भवानी प्रसाद शर्मा, अदित्य शर्मा, गणेश चतुर्वेदी, राजेन्द्र पटेल, देवेन्द्र शुक्ला, मुन्ना लाल विश्वकर्मा, प्रभात राय, रामाधार साहू एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही । अध्यक्ष अनिल राय ने सभी साथियों से कार्यक्रम उपस्थिति की अपील की है।

राजस्व अभियान के तहत शतप्रतिशत हुआ सीमांकन

नरसिंहपुर

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारी द्वारा जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान 14 दिसम्बर तक सीमांकन संबंधी कार्य शतप्रतिशत किया जा चुका है। इसी तरह जिले में शतप्रतिशत परंपरागत रास्तों का चिन्हांध्कन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। वहीं दूसरी नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरस्ती, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 14 दिसम्बर तक जिले में सीमांकन संबंधी शतप्रतिशत 61 प्रकरणों का निराकरण किया गया। तहसील करेली में 2, नरसिंहपुर में 24, गाडरवारा में 16, तेंदूखेड़ा में 9 व गोटेगांव में 2 और सांईखेड़ा में 8 सीमांकन किया जा चुका है, जो शतप्रतिशत है। वहीं दूसरी ओर शतप्रतिशत परंपरागत रास्तों का चिन्हांध्कन किया जा चुका है, जिसमें तहसील गाडरवारा में एक, करेली में 3, तेंदूखेड़ा में एक, नरसिंहपुर में एक और सांईखेड़ा में 2 परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है।

एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन आज

नरसिंहपुर। राज्य शासन के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं तकनीकी शिक्षा कौशल विकास रोजगार विभाग के निर्देशानुसार एक दिवसीय रोजगारध स्वरोजगार व अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्रांगण में प्रातरू 10.30 बजे से सायं 4 बजे किया जायेगा। उक्त रोजगार मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवकध युवतियों को साक्षात्कार उपरांत निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ मेला स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

स्वच्छ भारत अभियान को चिढ़ाती गंदगी, पंचायत की भारी लापरवाही

गोटेगांव

सरकार गंदगी समाप्त करने के लिए कितना भी जतन कर ले परंतु धरातल पर स्थिति में सुधार संभव होता नहीं दिख रहा है।आज हमारे संवाददाता ने गोटेगांव जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम उमरिया का दौरा किया जहां पर ग्राम के आरंभ से ही गंदगी के साथ कूड़ा करकट के ढेर दिखाई देने लगे।नालियों का निर्माण भी नहीं हुआ एक तरफ नाली है तो दूसरे तरफ नाली ही नहीं है ,लिहाजा सड़कों पर पानी बहता रहता है ग्राम पंचायत प्रतिनिधि पंचायत के विकास का झूठा डिडोंरा पीटा जाता हैं परंतु जवाबदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि यदि ग्राम का दौरा करके देखें तो स्वच्छता के विपरीत ही कहानी मिलेगी।भारत सरकार के द्वारा स्वच्छता के नाम पर समूचे देश में करोड़ों रुपया खर्च किया जाकर स्वच्छता को अपनाने के अनेकानेक प्रयास किए जा रहे हैं परंतु उमरिया ग्राम ठीक इसके विपरीत कार्य को अंजाम देने पर तुला है ग्राम उमरिया के वाशिंदों को ग्राम में नाली निर्माण के साथ सड़कों पर लगे कचरा,चारा भूसा आदि के ढेर शासकीय योजनाओं को पलीता लगा रहीं हैं तो वहीं जनप्रतिनिधि भी उदासीन बने हुए हैं शासन के नुमाइंदे ध्यान दे ऐसा आग्रह ग्राम की जनता कर रही है।

तेंदूखेड़ा अनुभाग में नहीं है महिला पुलिस अधिकारी, शो-पीस बनकर रह गया महिला डेस्क

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां नई कानून व्यवस्था के तहत अब संबंधित अपराधों दृष्टिगत रखते हुए महिला अधिकारी द्वारा ब्यान लिए जाने के साथ न्यायालयों में भी पेरवी महिला वकीलों के साथ महिला मजिस्ट्रेट द्वारा सुनवाई की जायेगी वहीं दूसरी तरफ जिले की सुरक्षा व्यवस्था की कमान महिला पुलिस अधिकारियों के पास है। लेकिन तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित तेंदूखेड़ा अनुविभागीय क्षेत्र में महिला पुलिस अधिकारियों से अछूता होने के कारण महिलाओं से संबंधित मामलों में दूसरे थानों से महिला पुलिस अधिकारी बुलवाकर पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज कराने पड़ते हैं। तेंदूखेड़ा सहित सुआतला पलोहा बरमान चौकी में भी व्यवस्था नहीं है। तेंदूखेड़ा में बना महिला डेस्क केवल शोभा की सुपारी बनकर रह गया है। यहां महिला अधिकारी ना होने की स्थिति में इसमें ताला पड़ा रहता है।जिले में हाल ही में आई पुलिस अधिकारियों से तेंदूखेड़ा क्षेत्र के सजग वर्ग ने मांग की है कि शीघ्र ही यहां महिला सब इंस्पेक्टर की व्यवस्था कराई जाये।

तेंदूखेड़ा को पर्याप्त पुलिस बल की जरूरत

तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय में पर्याप्त पुलिस बल की काफी लंबे समय से आवश्यकता है। तुलनात्मक दृष्टि से यही देखा जाए तो तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा का यह पुलिस थाना 84 ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। संपूर्ण क्षेत्र में शांति व्यवस्था को कायम रखते हुए तीन तीन न्यायालयों में पुलिस से संबंधित प्रकरणों को समय पर पुलिस कर्मियों के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना फिर मुख्यालय पर आने वाले फरियादियों को सुनने से लेकर एक बड़े बल की जरूरत हमेशा से यहां पर देखी जा रही है। सीमित बल पुलिस प्रकरणों को समय में निपटाने के साथ विभिन्न अभियानों में अपनी सलंग्नता को लेकर हमेशा अपने आप में कमी महसूस करती है। पड़ोसी थानों और चौकियों की यदि हम तुलना करें तो उन थानों में गांव भी बहुत कम मात्रा में हैं और वहां पुलिस बल भी पर्याप्त है। लेकिन तेंदूखेड़ा में बल की कमी हमेशा चर्चाओं में बनीं रहती है।

ककरा घाट पर नियमित पुलिस बल की जरूरत

तेंदूखेड़ा से ककरा घाट होकर गाडरवारा सड़क मार्ग दिन-रात चला करता है। गाडरवारा रेल्वे स्टेशन से तेंदूखेड़ा तरफ मुसाफिर वर्ग ज्यादा तर आता जाता है। वैसे पूर्णिमा और अमावस्या पूर्व विशेष पर पुलिस बल तैनात तो रहता है लेकिन हमेशा 24 घंटे बल तैनात रहेगा तो निश्चित तौर पर अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों में भय का वातावरण बना रहेगा।

गोटेगांव में चलित न्यायालय एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम संपन्न

गोटेगांव

नगर के सीएम राइज विद्याल में चलित न्यायालय (मोबाइल कोर्ट) एवं दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों के लिए भारत सरकार की एडिप/वयोश्री योजना के अंतर्गत निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम के मुख्य तिथि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल और विशिष्ट अतिथि विधायक महेंद्र नागेश,आयुक्त दिव्यांगजन संदीप रजक, सहायक आयुक्त सुनील शर्मा,एसडीएम श्रीमती देवंती परते की मौजूदगी में कार्यक्रम में दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर,बैसाखी, श्रवण यंत्र, वॉकर और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए,यह कार्यक्रम दिव्यांग जनों के लिए एक वरदान साबित हुआ जो दिव्यांग हैं तथा चल फिर नहीं सकते शासन ऐसे दिव्यांग जनों को स्वचालित वाहन प्रदान किए गए इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे मंडल अध्यक्ष श्रीमती अंजनी सोनी सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री शंकराचार्य कप का हुआ भव्य शुभारंभ

गोटेगांव

गोटेगांव के समीपवर्ती ग्राम झोतेश्वर ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित श्री शंकराचार्य कप शुभारंभ रविवार को शिव पार्वती मंदिर मेला प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्मचारी अचलानंद जी महाराज अध्यक्षता में संपन्न हुआ उद्घाटन के अवसर पर अतिथियों ने स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज की पुण्य स्मृति में उनके तैल चित्र का पूजन अर्चन कर खेल ग्राउंड का पूजन किया उसके पश्चात पूज्य शंकराचार्य जी महाराज के आदर्शों को याद करते हुए कहा कि यह आयोजन युवाओं में खेल भावना के विकास का एक सशक्त माध्यम है।पहला मैच कंजई और लमेहटा के बीच हुआ जिसमें कंजई टीम विजय हुई, प्रतियोगिता के विजेता को 31001 रूपए का नकद पुरस्कार तथा उपविजेता को 15501 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी,कार्यक्रम में कल्याणी पांडे,ब्रह्मचारी रामानंद महाराज सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे,अरविंद मिश्रा सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।